KAAV INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
A REFEREED BLIND PEER REVIEW QUARTERLY JOURNAL
KIJAHS/ APR-JUN (2018)/VOL-5/ISS-2/A5 PAGE NO. 30-34
ISSN: 2348- 4349 IMPACT FACTOR (2018) – 8.0121
WWW.KAAVPUBLICATIONS.ORG

कच्छपघात कालीन मंदिर स्थापत्य कला एवम् पर्यटन

(ग्वालियर के किले के सास - बहु मन्दिर के विशेष संदर्भ में)

[1]Dr. ANAND KUMAR SHARMA
[1]M.A. (Aihca), M.A. (History)
Phd Ugc Net (History) & (Ind.Culture), Mpslet (History)

सारांश

ग्वालियर भारत का प्रमुख ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं पर्यटन नगर है। ग्वालियर अपने संमृद्ध ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के लिए पर्यटकों के बीच खासा प्रसिद्ध है। ग्वालियर में अनेक प्राचीन मन्दिर एवं स्थापत्य कला के स्मारक है, जोकि पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। इनमें ग्वालियर के किले पर स्थित सास–बहु मन्दिर कच्छपघात कालीन मंदिर स्थापत्य कला की अद्भुत कृति है। सास – बहु मन्दिर का निर्माण कच्छपघात शासक महिपाल ने 1093 ई० में करवाया था। सास– बहु मन्दिर में से सास मंदिर में मंदिर स्थापत्य कला के अंगों में मुखमण्डप (मुख चतुष्की), सभा मण्डप (रंग मण्डप), अंतराल और गर्भगृह विद्यमान है। सास–बहु मन्दिर में से बहु मंदिर का मुख चतुष्की और गुढ़ मण्डप (सभामण्डप) वर्तमान में बचा है, शेष बहु मंदिर नष्ट हो गया है।

मुख्य बिन्दुः– *कच्छपघात, सास– बहु मन्दिर, मंदिर स्थापत्य कला एवं पर्यटन*

Copyright © 2017 Published by kaav publications. All rights reserved www.kaavpublications.org